an>

Title: Financial crisis being faced by Sir Sunder Lal Hospital of Kashi Hindu Vishwavidyalaya, Varanasi (U.P.)

श्री राधे मोहन सिंह (ग़ाज़ीपुर): सभापति महोदय, आपने मुझे एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की अनुमति दी है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं सर सुन्दर अस्पताल, वाराणसी की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं और आपसे संरक्षण चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी को वहां की स्थिति से अवगत कराना चाहता हूं। बीएचयू में पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड आदि जो तमाम सटे हुए प्रदेश हैं और यहां तक नेपाल के लोगों का भी ट्रीटमैन्ट में होता है। जहां तक बनारस काशी का चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान का सवाल है, इसका आयुर्वेदिक विज्ञान चिकित्सा के क्षेत्र में करीब 2500 वर्ष पुराना इतिहास है। महान आयुर्वेदाचार्य धनवंतरि व चरक काशी की ही उपज थे। इस क्षेत्र में जब सर सुन्दर अस्पताल या बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी का नाम आता है तो एक ऐसे व्यक्ति का नाम और चेहरा सामने आता है, जिन्हें महामना मदन मोहन मालवीय कहते हैं। जिनकी महानता के बारे में सब जानते हैं और जिन्होंने आम आदमी, जिसे कॉमन व्यक्ति कहते हैं, इस पार्लियामैन्ट में आम व्यक्ति जो तेजी से एक प्रचलन के रूप में सामने आया। अगर मानवता की सेवा करने का किसी ने इस देश में बड़ा संकल्प लिया था तो वह मदन मोहन मालवीय थे। मैं बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, सर सुन्दर लाल अस्पताल की उस स्थिति का आपके सामने जिक्र करना चाहता हूं कि बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी मॉडर्न मैडिसन के क्षेत्र में 1960 में स्थापित हुई। 1960 से स्थापित बीएचयू जिसे मदन मोहन मालवीय ने एक संस्था के रुप में स्थापित किया था। मेरा कहने का मतलब है कि आज इन प्रदेशों के करीब बीस करोड़ परिवार चिकित्सा के लिए बीएचयू पर निर्भर हैं।

मैं कहना चाहता हूं कि बीएचयू, सर सुन्दर अस्पताल जो इतने लोगों की व्यवस्था को देखते हैं, उस अस्पताल को एक साल में यूजीसी के द्वारा मात्र ढ़ाई करोड़ रूपये अनुदान के रूप में दिये जाते हैं। वहां पर विगत सात सालों में मात्र ढ़ाई करोड़ रूपया ऐड दी जाती है। आज बीएचयू, सर सुन्दर लाल अस्पताल एक प्रयोगशाला के रूप में कार्यरत है। उसे यूजीसी के द्वारा ग्रांट दी जा रही है। जबकि एक तरफ वहां पर एसपीजीआई है और एम्स है। यह दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ता है कि 1165 बेड्स जो बीएचयू के अंदर हैं, उन 1165 बेड्स पर मात्र ढ़ाई करोड़ अनुदान दिया जाता है।

MR. CHAIRMAN: You just tell what you want. In Zero Hour, you have to specifically tell what you want.

श्री राधे मोहन सिंह : महोदय, जबकि 1766 बेड्स पर 296 करोड़ रूपये का अनुदान एम्स को दिया जाता है और 758 बेड्स पर एसपीजीआई को 20 करोड़ रूपया दिया जाता है। मैं कहना चाहता हूं कि अगर आप चाहते हैं कि देश के अंदर हर जगह स्वास्थ्य की सुविधा हो तो आज बीएचयू में लगभग 48 करोड़ रूपये की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं, स्वास्थ्य मंत्री जी से हमारी बात हुई है, यूजीसी के द्वारा जो बीएचयू को एक प्रयोगशाला के रूप में संचालित किया जा रहा है। एक आम आदमी एक प्रयोगशाला के रूप में उस अस्पताल में रह रहा है। मैं आपके माध्यम से चाहता हूं कि स्वास्थ्य मंत्री जी जिस तरह से एम्स को, एसपीजीआई को ऐड प्रदान करते हैं, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि उसी तरह की ऐड सर सुन्दर अस्पताल वाराणसी को दिया जाये ताकि आम आदमी का इलाज हो सके और दिल्ली की भीड़-भाड़ से वह बच सके।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: The list has already exhausted. You have all waited for long.

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वी.नारायणसामी): महोदय, एक आदमी को समय देने के बाद सभी को समय देना पड़ेगा।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: If you just take only one minute, I will allow you to tell what you want.